विद्यालय नेतृत्व: शिक्षकों का नेतृत्व

हिन्दी
इसमें तो बहुत दिक्कत आई। क्योंकि कोई भी इन्सान हो मेहनत करना नहीं चाहता। लेकिन हमने उनको, इतना energy level उनका, मैं अपना अच्छा रखती हूँ। मैं कभी नहीं सोचती कि school में आकर बैठ जाउँ chair पे। मैं class में जाती हूँ तो शांति दिखती है, तो भई, शांति क्यों है? क्या बात है? मजबूर करती हूँ कि शिक्षक पढाने ही लगता है। और आपस में मतलब कि शिक्षक की क्या समस्या है? कि भाई, पढ़ाने में क्या समस्या आ रही है उनको? वही, उनसे personally deal करती हूँ कि भाई, क्या समस्या है? कि पढ़ाने में क्या समस्या है? तो वो लोग बताते हैं। अगर कोई समस्या हो तो निराकरण करते हैं, हम लोग। और फिर सबसे बडी बात ये है कि, मैंने देखा है कि यदि एक शिक्षक है, वो class में नहीं गया, वो बाहर बैठा है, तो दूसरा शिक्षक भी नहीं जाएगा, तीसरा भी नहीं जाएगा। तो वो routine गडबड हो जाता है। मैं ये चाहती हूँ, कि सबसे पहले तो अनुशासन हो, संस्था में। जिससे timetable के अनुसार सब काम होता है। तो कोई की शिकायत नहीं होती, के भाई timetable है, तो आपका period है, आपको जाना है। Class में जाके, जब मैं round लगाती हूँ, तो भाई पढ़ाना है। आप पढ़ाने, नहीं पढा रहें तो, school का कोई काम, मैं class में नहीं करने देती हूँ। Other work जो होता है, वो हम class में नहीं करने देती। सारी छात्रवृत्ति, जो table work है, वो मैं स्वयं करती हूँ ज़्यादा से ज़्यादा। कोई शिक्षक ऐसा ना हो के वो class में जाके करेगा, तो बच्चे bore होंगे। बच्चे bore होंगे तो वे आना कम कर देंगे। मेरा ये शिक्षकों को प्रयास रहता है कि, भाई, आप class में एक, आप हँसते हुए जाइए। बच्चों से, मतलब शिक्षक और बच्चों का संबंध अच्छा बनाइए। ये मेरा प्रयास रहता है, और शिक्षकों की आपस में भी हमारे यहाँ कभी लडाई नहीं होती। आपस में जब भी उनका मनोरंजन, बालसभा करते हैं हम लोग, शिक्षक दिवस मनाते हैं, या जो भी है,

चौदह नवंबर को बालदिवस मनाते हैं, जो भी calender के अनुसार, जो भी days हैं, वो हम celebrate करते हैं।

और उसमें enjoy करते हैं, शिक्षक भी, उसमें activities में भाग लेते हैं। Singing है या फिर कुछ भी है।

एक तो आपस में भी उनको अच्छा लगता है। उनको बोरियत महसूस नहीं होती, कि जबरदस्ती काम कराया जा रहा है, ये महसूस नहीं होता।

तो हम लोग उनको आपस में भी, मैं ये नहीं सोचती कि मैं HM हूँ। मैं उनके साथ बैठती हूँ, उनको समय-समय पर मार्गदर्शन देती हूँ। कोई भी काम है, कैसे जल्दी से जल्दी होगा? कैसे सही होगा? उनके भी जो सुझाव रहते हैं, वो भी मैं मानती हूँ।

कभी-कभी शिक्षकों की तरफ से भी अच्छे सुझाव आते हैं, भाई, अपना ऐसा काम जल्दी हो जाएगा, अच्छा हो जाएगा। मतलब, मिलजुल कर कार्य करते हैं। एक stress नहीं आने देती मैं, अपने staff के बीच में।

सबसे पहले तो मेरा यह कार्य रहता है के सारे शिक्षक, जो timetable है, उसके अनुसार कक्षा में पहुँचे।

और उनका जो पाठ्यक्रम है वो हर month का हर month हो। Monthly जो पाठ्यक्रम distributed है वो पूरी तरह से होना चाहिए।

Monthly test होना चाहिए, और test में जो A grade की लडकियाँ हैं उनकी संख्या ज़्यादा आनी चाहिए।

हमारा ये ज़्यादा से ज़्यादा शिक्षकों से कहना रहता है कि A grade में हमको संख्या बढानी है। D और E grade की जो लडकियाँ हैं, उनको extra class लेते हैं, हम लोग।

जिसको remedial classes बोलते हैं। उनके द्वारा उनका grade बढाने की कोशिश करते हैं।

मैंने जो बडी-बडी कक्षाओं में कुछ अच्छे developed चित्र रहते हैं, मैंने उनको बनवाया।

यानि जो class का माहौल ऐसा हो, कि उसमें अच्छे-अच्छे चित्र लगे हों, तो बच्चों को बैठने में अच्छा लगता है! पूरी सजी हुई हो class!

ये पहले नहीं था। मैंने हर class में बच्चों को आदत डाली, कि तुम अपनी class सजा कर रखो!

तो उस विषय से संबंधित आपने चित्र बनाया। वो sheet पर portrait type में, मतलब कि matter को चित्रों के रूप में लाया class में।

जिसे आप हरदम देखेंगे, class में। आपके नजर में आएगा, तो आपको याद भी हो जाएगा। और

class भी अच्छी लगती है। बच्चों में एक भावना आती है, कि हम इससे अच्छी बना सकते हैं। तो अच्छे से अच्छे diagrams बनाके लाते हैं, और वो अपने class में चिपकाते हैं।

जो Head Master और teachers का relation है वो अच्छा होना चाहिए। School में अनुशासन सबसे पहले होना चाहिए।

पूरा एक योजना के अनुसार, एक दिमाग में एक plan होना चाहिए।

भले ही paper पर ना हो, लेकिन दिमाग में एक प्लान होना चाहिए, कि हमें क्या करना है? किस समय कौनसा work करना है?

जैसे कि कुछ Head Master के काम ऐसे रहते हैं, कि जैसे scholarship है, या uniform distribution है, या cycle distribution है। इस तरह की schemes आती हैं, तो वो time to time करना है।

Plan के अनुसार हम काम करते हैं। ऐसा नहीं कि सब teachers लगे हैं उसमें, और बच्चे अकेले class में बैठेंगे! तो फिर वो, उपस्थिति कम हो जाएगी!